बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के परिणाम (COURSE OUTCOMES)

हिन्दी कोर पाठ्यक्रम (HCC)

सेमेस्टर -1

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -1 – हिन्दी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास BAHHCC 01

1	हिन्दी भाषा के सैद्धान्तिक पहलू के साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा।
2	हिन्दी भाषा की उच्च शैक्षिक स्तर की भूमिका के महत्वपूर्ण पक्ष को जाना जा सकेगा।
3	कंप्यूटर को हिन्दी भाषा से जोड़ने पर हिन्दी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान को प्राप्त किया जा सकेगा।
4	वैश्विक युग में भाषा को सिद्धांतों के साथ – साथ व्यावहारिक रूप से भी जोड़ना होगा।
5	भाषा के बदलते परिदृश्य में यह पाठ्यक्रम भाषा के आरंभ से वर्तमान को विविध आयामों में प्रस्तुत करता है जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा।
6	शिक्षा को रोजगार से जोड़ना अत्यंत अनिवार्य है। यह पाठ्यक्रम भाषा की मांग को भी प्रस्तुत करता है।

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -2 – हिन्दी कविता (आदिकाल एवं भक्तिकालीन काव्य) BAHHCC 02

1	आदिकाल के परिवेश - राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हो सकेंगे |
2	आदिकाल में अमीर खुसरो के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।
3	भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा |
4	भक्तिकाल साहित्य सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विशिष्ट उपलब्धि है।

सेमेस्टर -2

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -3- हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल) (BAHHCC03)

CO-1	हिन्दी साहित्य के इतिहास की जानकारी प्राप्त होगी और हिन्दी साहित्य के इतिहास विशेषण कर सकेगा।
CO-2	प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी होगी और इतिहास निर्माण की पद्धति का ज्ञान प्राप्त होगा।

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -4 हिंदी कविता (रीतिकालीन काव्य) (BAHHCC04)

1	हिन्दी के उत्तर मध्यकालीन साहित्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा।
2	ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।

सेमेस्टर -3

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -5- हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (BAHHCC05)

1	विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है। साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ-साथ समाज के विकास को भी चिन्हित करता है।
2	साहित्येतिहास के बिना साहित्य-विवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं। अतः साहित्य- विवेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन जरूरी है।

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -6- हिंदी कविता (आधुनिक काल छायावाद तक) (BAHHCC06)

1	आधुनिक कविता की समझ विकसित होगी।
2	साहित्यिकता और समकालीन परिवेश के मध्य संबंध का विशेलेषण कर सकेगा।
3	कविताओं के वाचन, लेखन, विश्लेषण और परिवेश की समझ विकसित होगी।

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -7- हिंदी कहानी (BAHHCC07)

1	हिन्दी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त होगा।
2	कहानी लेखन और प्रभाव का विश्लेषण कर सकेगा।
3	प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

सेमेस्टर -4

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -8- भारतीय काव्यशास्त्र (BAHHCC08)

1	भारतीय काव्यशास्त्र को समृद्ध परंपरा की जानकारी प्राप्त होगी।
2	आधुनिक हिन्दी आलोचना में भारतीय काव्यशास्त्र का प्रदेय।
3	संस्कृत काव्यशास्त्र का ज्ञान प्राप्त होगा।

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -9- हिंदी कविता (छायावाद के बाद)(BAHHCC09)

1	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिंदी कविता को काल विशेष के सन्दर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।

2	उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी कविता किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इस विषय में इस पाठ्यक्रम से गंभीरता से जाना जा सकता है।
3	छात्र कविता सीखने के साथ-साथ वैचारिक मूल्यों को भी जान सकेंगे।
4	कविता के दोनों पक्षों भाव सौंदर्य और कला सौंदर्य को जाना जा सकेगा।
5	आज भूमंडलीकरण का युग है। हिंदी कविता अन्य देशों में भी मानवीय आचरण को सुद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यह पाठ्यक्रम मानवीयता के विविध पहलुओं को हृदयंगम करने से समर्थ हैं।

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -10- हिंदी उपन्यास (BAHHCC10)

1	उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति विकसित होगी।
2	हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्रमुख लेखकों के उपन्यास का परिचय प्राप्त होगा।

सेमेस्टर -5

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -11- पाश्चात्य काव्यशास्त्र (BAHHCC11)

1	प्राचीन से आधुनिकता की और आते हुए विकसित हो रहे पश्चिमी काव्य शास्त्रीय चिंतन-धारा की समझ विकसित होगी।
2	नई विचारधाराओं और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त होगा।

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -12- हिन्दी नाटक/ एकांकी (BAHHCC12)

1	सम्बंधित नाटककारों के युग की सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक साहित्यिक-धार्मिक परिस्थितियों को समझ पायेंगे।
2	विद्यार्थियों में भारत की एकता और सामाजिक समरसता के भाव का विकास होगा।
3	स्त्री-सशक्तिकरण के भाव को बल मिलेगा। नैतिक मूल्यों का विकास होगा।
4	साहित्य, कला, प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी।

सेमेस्टर -6

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -13-हिंदी आलोचना (BAHHCC13)

1	विद्यार्थियों में आलोचना की सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
2	रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।
3	रचना के गुण-दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे।

4	रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा।

हिन्दी कोर प्रश्न पत्र -14-हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ (BAHHCC14)

1	कथेतर साहित्य का परिचय प्राप्त होगा।
2	विश्लेषण और रचना प्रक्रिया की समझ विकसित होगी।
3	प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय प्राप्त करेंगे।

हिन्दी विषय आधारित ऐच्छिक पाठयक्रम (HDSEC)

सेमेस्टर -5

विषय आधारित ऐच्छिक पाठयक्रम – 1- अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य(BAHHDSE 02)

1	अस्मिताओं का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।
2	प्रमुख रचनाओं के माध्यम से संवेदनात्मक विश्लेषण करना।
3	विभिन्न अस्मिताओं की समस्याओं और उसके परिवेश को समझना प्रमुख कृतियों का परिचय।

विषय आधारित ऐच्छिक पाठयक्रम –1- भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत(BAHHDSE 03)

1	रंगमंच की विभिन्न पद्धतियों और उनके चिंतकों से परिचय का अवसर पास होगा।
2	नाटक रंगमंच का संबंध और नवीन विधाओं के विश्लेषण का अवसर प्राप्त होगा।

विषय आधारित ऐच्छिक पाठयक्रम –2- हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण(BAHHDSEC04)

1	हिंदी भाषा वर्तमान समय में तेजी से वैश्वीकृत हो रही है। अतः हिंदी के स्वरूप को आधार रूप से ही सुगठित बनाने की प्रक्रिया पर बल देना चाहिए । यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा को आधार रूप से व्यवस्थित करेगा।
2	यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के भाषागत रूप को शुद्ध करने का पूर्ण प्रयास करता है।
3	विद्यार्थियों में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।
4	हिंदी भाषा के व्याकरणिक रूप को स्थिर किया जा सकेगा।
5	भाषा का अनुशासनबद्ध होना अत्यंत आवश्यक है। व्यावहारिक व्याकरण अपने सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ इसके प्रयोग रूप को भी मान्यता प्रदान करता है।
6	मौखिक अभिव्यक्ति के मानक, अमानक रूप को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से जाना जा सकता है।
7	हिंदी भाषा को संतुलित रूप प्रदान करने में और सर्वमान्य भाषा का प्रयोग करने में यह पाठ्यक्रम सक्षम है।

सेमेस्टर -6

विषय आधारित ऐच्छिक पाठयक्रम –3- अवधारणात्मक साहित्यिक पद (BAHHDSE 11)

1	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में भारतीय और पश्चिमी आलोचना सिद्धांतों के बीज शब्दों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

2	साहित्य की आलोचना के प्रतिमानों में आने वाले पारिभाषिक शब्दों के विशिष्ट अर्थबोध को विस्तार से समझा जा सकता है।
3	पारिभाषिक शब्दों के विश्लेषण के माध्यम से विद्यार्थी इन बीज शब्दों के मूल सिद्धांतों का भी सहज विश्लेषण कर पाने में समर्थ हो सकेंगे।
4	अवधारणामूलक शब्दों का ज्ञान प्राप्त करके विद्यार्थी आलोचना की सैद्धांतिकता का सहज विश्लेषण कर सकेगा।

विषय आधारित ऐच्छिक पाठयक्रम –3- हिंदी रंगमंच (BAHHDSEC12)

1	रंगमंच के विकास के साथ-साथ विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त होगी।
2	प्रमुख विचारकों की रंगदृष्टि से अवगत हो पाएंगे।
3	पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित होगी।
4	भारतबोध विकसित होगा।

विषय आधारित ऐच्छिक पाठयक्रम –4- हिंदी की भाषिक विविधताएँ (BAHHDSEC08)

1	प्रमुख रचनाकारों और प्रस्तुतियों से लाभान्वित होगा।
2	विश्लेषण क्षमता विकसित होगी।
3	साहित्यिकता की समझ विकसित करना।
4	पर्यटन, नृत्य-संगीत आदि में रूचि का अवसर मिलेगा।
5	बोलियाँ और हिन्दी के विविध रूपों की समझ साहित्यिकता और भाषाई संस्कृति की समझ विकसित होगी।

हिंदी कौशल संवर्द्धक ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HSEC)

सेमेस्टर -3

हिंदी कौशल संवर्द्धक ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HSEC) -विज्ञापन और हिंदी भाषा (BAHHSEC01)

1	विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों के अध्ययन विश्लेषण का अवसर मिलेगा।
2	निर्माण और प्रभाव को सामाजिक आवश्यकताओं पर विश्लेषित करना।

3	इन क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने की दक्षता।

हिंदी कौशल संवर्द्धक ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HSEC) - सोशल मीडिया(BAHHSEC03)

1	सोशल मीडिया के विकास के साथ-साथ भाषा, समाज और संस्कृति की जानकारी होगी।
2	सोशल मीडिया की आचार संहिता से परिचित होंगे।
3	सोशल मीडिया के विभिन्न प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे।
4	बाजार, सोशल मीडिया और समाज के संबंध की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी।

सेमेस्टर -4

हिंदी कौशल संवर्द्धक ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HSEC) -कार्यालयी हिंदी(BAHHSEC05)

1	कार्यालयी भाषा की सैद्धान्तिक व व्यावहारिक जानकरी होगी।
2	हिन्दी की आवश्यकताओं और रोजगार क्षेत्रों की मांग का अनुमान कर सकेंगे।
3	कार्यालयी शब्दावली, वाक्य, पत्र हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद करने में सक्षम होंगे।
4	कार्यालयी मसौदे और पत्राचार का औपचारिक ज्ञान होगा।

हिंदी कौशल संवर्द्धक ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HSEC) - भाषा और समाज (BAHHSEC07)

1	भाषा और समुदाय को बदलते भारतीय परिवेश में जानना।
2	भाषा और जातीयता के विविध रूपों का विश्लेषण करना, द्विभाषिकता और बहुभाषिकता के विविध प्रारूपों से अवगत होना।
3	द्विभाषिकता और बहुभाषिकता के विविध प्रारूपों का सन्दर्भगत विवेचन, भाषा और संस्कृति के मूल बिन्दुओं की गहन जानकारी प्राप्त करना ।
4	भाषा सर्वेक्षण, उनके विविध रूप तथा भाषा नमूनों का विश्लेषण करना।
5	भाषा के नवीन प्रयोग का अध्ययन करना।